CBSE Class – 4 Hindi

NCERT Solutions

रिमझिम पाठ- 5. दोस्त की पोशाक

<u>तुम्हारे सवाल</u>

कहानी के बारे में कई पाँच प्रश्न बनाकर नीचे दी जगह में लिखो| कॉपी में उनके उत्तर लिखो|

प्रश्न 1. नस्सिरुद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुए?

उत्तर- नसीरुद्दीन जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए|

प्रश्न 2. नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से क्या कहा?

उत्तर- नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से कहा कि जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त है और इन्होने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है|

प्रश्न 3. नसीरुद्दीन ने अपने पडोसी को जमाल साहब की पोशाक के बारे में क्या बताया?

उत्तर- उन्होंने जो अचकन पहन रखी है, वह मेरी है|

प्रश्न 4. जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को क्या समझाया?

उत्तर- जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को समझाया कि पोशाक के बारे में न कहना ही अच्छा है|

प्रश्न 5. जमाल साहब ने घूमने जाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर- जमाल साहब की पोशाक मामूली सी थी, इसलिए उन्होंने घुमने जाने से मना कर दिया|

<u>तुम्हारी बात</u>

नसीरुद्दीन और जमाल साहब बनठन कर घूमने के लिए निकले|

(क) तुम बनठन कर कहाँ-कहाँ जाते हो?

उत्तर- मैं बनठन कर अपने दोस्तों के जन्मदिन की पार्टी में और अपने रिश्तेदारों के घर जाता हूँ|

(ख) तुम किस-किस तरह से बनते-ठनते हो?

उत्तर- मैं नहा-धोकर नए कपड़े पहनता हूँ| कंघी करता हूँ तथा पॉलिश किए जूते पहनता हूँ|

<u>तुम्हारी समझ से</u>

(क) तीसरे मकान से बाहर निकलकर जमाल साहब ने नसीरुद्दीन से क्या कहा होगा?

उत्तर- जमाल साहब ने कहा होगा कि मैंने अचकन के बारे में कुछ न कहने को कहा था, फिर तुमने उसका जिक्र ही क्यों किया|

(ख) जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नहीं जाना चाहते होंगे?

उत्तर- जमाल साहब मामूली से कपड़ों में घूमते तो लोग कहते कि उनके पास अच्छे कपड़े नहीं है| इसलिए जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे|

(ग) नसीरुद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?

उत्तर- नसीरुद्दीन एक मजाकिया इंसान थे| वे अपने दोस्त से मजाक करने के लिए अपनी अचकन के बारे में हमेशा बताते होंगे|

<u>गपशप</u>

जब जमाल साहब और नसरुद्दीन हुसैन साहब के घर से बाहर निकले तो उन्होंने अपनी बेगम को नसरुद्दीन और जमाल साहब से मुलाकात का किस्सा सुनाया| उन दोनों के बीच में क्या बातचीत हुई होगी?

लिखकर बताओ

बेगम - कौन आया था?

हुसैन साहब - नसरुद्दीन अपने दोस्त के साथ आया था|

बेगम - ……….

उत्तर- बेगम किस दोस्त के साथ?

हुसैन साहब - जमाल नाम का कोई पुराना दोस्त था|

बेगम – (हँसती हुई) तब जरुर ही वह अचकन उसकी अपनी नहीं होगी|

हुसैन साहब – हाँ, हाँ! उसने तो नसरुद्दीन की ही अचकन पहन रखी थी

<u>घूमना-फिरना</u>

नसरुद्दीन ने कहा, "चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आएँ|"

जब नसरुद्दीन दिन अपने दोस्त से मिले, वे उसे अपना मोहल्ला दिखाने ले गए|

जब तुम अपने दोस्तों से मिलते हो, तब क्या क्या करते हो?

उत्तर- मैं जब अपने दोस्तों से मिलता हूँ तब उनके साथ खाता-पीता हूँ| उन्हें साथ लेकर पार्क में घूमने जाता हूँ और उनके साथ खेलता हूँ|

<u>करके दिखाओ</u>

नीचे कुछ वाक्य लिखे हैं| तुम्हें इनका अभिनय करना है| तुम चाहो तो कहानी में देख सकते हो कि इन कामों का जिक्र कहाँ आया है|

® बनठन कर घूमने के लिए निकलना|

® घड़ों पानी पड़ना|

® मुँह बनाकर शिकायत करना|

® गर्मजोशी से स्वागत करना|

® नाराज होना|

® देखते ही रह जाना|

उत्तर- घर में इनके अभिनय का अभ्यास करो|

<u>**घड़ों पानी पड़ना**</u>

नसरुद्दीन की बात सुनकर जमाल साहब पर तो मानो घड़ों पानी पड़ गया|

(क) घड़ो पानी पडना-एक मुहावरा है| इसका मतलब क्या हो सकता है? पता लगाओ| तुम इसका मतलब पता करने के लिए अपने साथियों या बड़ों से बातचीत कर सकते हो या शब्दकोश देख सकते हो|

उत्तर- घड़ो पानी पड़ना - बहुत लज्जित होना|

(ख) इस मुहावरे को सुनकर मन में एक चित्र सा बनता है| तुम भी किन्हीं दो मुहावरों के बारे में चित्र बनाओ| कुछ मुहावरे हम दे देते हैं| तुम चाहो तो इनमे से कोई पसंद कर सकते हो-

® सिर मुडाते ही ओले पड़ना

® ऊँट के मुँह में जीरा

® दिया तले अँधेरा

® ईद का चाँद नसरुद्दीन निकालकर लाए

उत्तर-

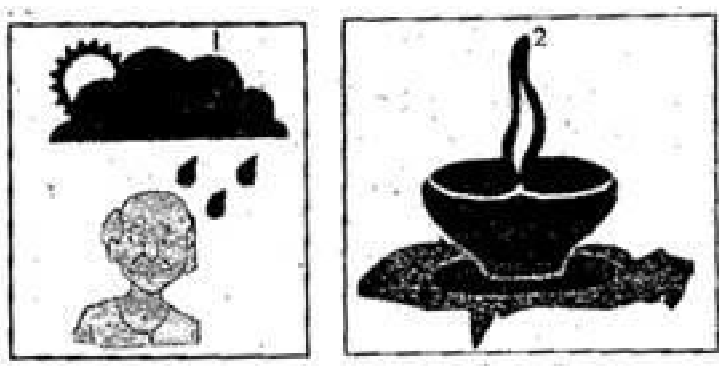

<u>**कौन है कैसा**</u>

नासिरिद्दीन एक भड़कीली अचकन निकालकर लाए|

भड़कीला शब्द बता रहा है कि अचकन कैसी थी| कहानी में से ऐसे ही और शब्द छाँटों जो किसी के बारे में कुछ बत्ताते हो| उन्हें छाँटकर नीचे दी गई दी गई जगह में लिखो|

देखे, कौन सबसे ज्यादा ऐसे शब्द ढूँढ़ पता है|

पुराना दोस्त ……. …….

……. ……. …….

……. ……. …….

भड़कीली, पुराना जैसे शब्द किसी के बारे में कुछ ख़ास या विशेष बात बता रहे हैं| इसलिए इन्हें विशेषण कहते हैं|

उत्तर- मामूली सी पोशाक, खास दोस्त

कैसी अकल, अन्य पड़ोसी

अपनी अचकन , यह अचकन

पास-पडोस

पडोस के घर में जाकर नसीरुद्दीन पड़ोसी से मिले|

तुम अपने पड़ोसी बच्चों के साथ बहुत-से खेल खेलते हो| पर क्या तुम उनके परिवार के बारे में जानते हो?

चलो, दोस्तों के बारे में और जानकारी इकट्ठा करते है| यदि तुम चाहो तो उनसे ये बातें पूछ सकते हो-

® घर में कुल कितने लोग हैं?

® उनके नाम क्या हैं?

® उनकी आयु क्या हैं?

® वे क्या काम करते हैं?

इसी सूची में तुम अपने मन से बहुत-से सवाल जोड़-सकते हो|

उत्तर- अपने पड़ोसी बच्चों और उनके परिवार वालों से ये प्रश्न पूछकर जानकारी इकट्ठी करो|

शब्दों का हेरफेर

झूठा-जूठा

इन शब्दों को बोलकर देखो| ये मिलती-जुलती आवाज वाले शब्द हैं| जरा से अंतर से भी शब्द का अर्थ बदल जाता है|

नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़ दिए गए हैं| इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं| इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो|

घड़ा - गढ़ा

घूम - झूम

राज - राज़

फन - फ़न

सजा - सज़ा

खोल - खौल

उत्तर- घड़ा – कुम्हार घड़ा बनाता है|

गढ़ा - तुमने सुन्दर मूर्ति गढ़ी है|

घूम - बच्चे पार्क में घूम रहे थे|

झूम - पौधे हवा से झूम रहे हैं|

राज - पुराने समय में यहाँ मुगलों का राज था|

राज़ - सबको तुम्हारे इस राज़ का पता चल गया है|

फ़न - तानसेन अपने फ़न में माहिर था|

फन - साँप ने अपना फन उठा लिया|

सजा - दिवाली के दिन सारा शहर सजा हुआ था|

सज़ा - चोर को सज़ा जरुर मिलेगी|

खोल - मम्मी ने दरवाज़ा खोल दिया|

खौल - उबला हुआ पानी खौल रहा था|